विषय सूची

क्रम सं.		पृष्ठ संख्या
अध्याय I: महामारी से नुकसान		**3-22**
1	परिचय	3
2	कोविड-पूर्व मंदी	4
3	कोविड के बाद का आर्थिक परिदृश्य	6
4	आर्थिक-बहाली के समक्ष जोखिम	20
अध्याय II: महामारी के बाद मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों का पुनर्संतुलन		**23-41**
1	भूमिका	23
2	संवृद्धि पर नीतिगत प्रोत्साहन का प्रभाव	24
3	भारत के अपने अनुभव से सबक	27
4	कोविड के बाद कर्ज की अधिकता: मजबूत आर्थिक वृद्धि के लिए कर्ज का समेकन	35
5	निष्कर्ष	39
अध्याय III: वृद्धि को पुनर्जीवंत करने हेतु संरचनात्मक मुद्दे		**42-88**
1	भूमिका	42
2	भारत में संरचनात्मक परिवर्तन	42
3	उत्पादकता रुझान	46
4	प्रमुख क्षेत्रों में संरचनात्मक बाधाएं	52
5	संरचनात्मक वृद्धि कारक	65
6	कारक बाजार की बाधाएं	71
7	निष्कर्ष	75
अध्याय IV: तेज वृद्धि के लिए खुली अर्थव्यवस्था का दोहन		**89-116**
1	परिचय	89
2	व्यापार खुलापन, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता और वृद्धि	90
3	आयात की भूमिका	102
4	पूंजी प्रवाह, विनिमय दर और विकास	107
5	समाप्ति	113

क्रम सं.		पृष्ठ संख्या
अध्याय V: वृद्धि को पुनर्जीवित करने में वित्त की भूमिका		**117-136**
1	परिचय	117
2	भारतीय वित्तीय प्रणाली पर कोविड का प्रभाव	118
3	कोविड-पूर्व वित्तीय मध्यस्थता की चुनौतियां	122
4	ऋण वृद्धि को फिर से मजबूत करना - नीति विकल्प	126
5	डिजिटल वित्त और स्टार्ट-अप से लाभ उठाकर वृद्धि को पुनर्जीवित करना	130
6	धारणीय वृद्धि के लिए हरित वित्त	132
7	निष्कर्ष और भविष्य के लिए संभावित मार्ग	133
अध्याय – VI कोविड-19 के बाद भारत के लिए नीतिगत कार्ययोजना		**137-145**

बॉक्स की सूची

क्रम सं.		पृष्ठ संख्या
I.1	क्या कोविड-19 कॉर्पोरेट तुलन पत्र की पूर्व-दुर्बलताओं को उजागर करता है?	15
I.2	कोविड -19 आघात - मांग और आपूर्ति पर सापेक्ष प्रभाव	19
II.1	जोखिम प्रीमियम पर कर्ज का प्रभाव	32
II.2	महामारी के बाद भारत में सार्वजनिक कर्ज़ के समेकन की सीमाएं	36
III.1	भारत में टीएफपी वृद्धि के संरचनात्मक निर्धारक	50
III.2	उच्चतर उत्पादकता वृद्धि के लिए संसाधन पुनराबंटन	51
III.3	भारतीय कृषि में टीएफपी वृद्धि के निर्धारक	55
III.4	भारत में व्यापार सुगमता और भविष्य के सुधार	68
IV.1	भारत का गतिशील विदेश व्यापार गुणक	90
IV.2	भारत की निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए देश और उत्पाद पहचान रणनीति	99
IV.3	भारत के मुक्त व्यापार समझौते – व्यापार सृजन या डाइवर्जन के लिए?	106
IV.4	वृद्धि पर विदेशी पूंजी का प्रभाव	107
IV.5	पूंजीगत अंतर्वाह और वृद्धि की संरचना	110
IV.6	निर्यात फर्मों पर विनिमय दर गतिविधियों का प्रभाव	111
V.1	वित्तीय स्थिति सूचकांक (एफसीआई) और वृद्धि	121
V.2	भारत में इष्टतम ऋण वृद्धि	124

सारणी की सूची

क्रम सं.		पृष्ठ संख्या
I.1	तेजी और मंदी के घटनाक्रम	4
I.2	क्षेत्र-वार रिकवरी पैटर्न	14
II.1	समग्र राजकोषीय गुणक	24
II.2	असममित राजकोषीय गुणक	25
II.3	कर्ज और आर्थिक संवृद्धि के बीच संबंध	39
III.1	वर्ष 2015-16 से 2019-20 तक अयस्क और खनिजों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार	60
III.2	सेवाओं में एक व्यापक-आधारित मंदी	64
III.3	निर्माण के घटक - उत्पादन में शेयर (प्रतिशत में)	64
III.4	प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर क्षमता के रुझान (2011=100)	65
III.5	वास्तविक जीवीए और जीएफसीएफ में इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र का शेयर	66
III.6	सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा विद्युत इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश	66
III.7	सौर और पवन ऊर्जा की संभाव्यता का राज्य-वार अनुमान	66
III.8	व्यवसायों19 के लिए विद्युत की कीमत (यूएस सेंट प्रति किलोवॉट)	67
III.9	स्वास्थ्यसेवा क्षेत्र के लिए विज़न 2025	70
III.10	क्षेत्र-वार श्रम उत्पादकता	71
IV.1	भारत के निर्यात भागीदारों की देशवार प्रोफाइल	93
IV.2	प्रकट तुलनात्मक लाभ में परिवर्तन (2001-09 की तुलना में 2010-20)	95
IV.3	व्यापार पूरकता सूचकांक	98
IV.4	फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज, विवरण और प्रारंभिक अपनाने वाले	101
IV.5	भारत के लिए व्यापार और अनुसंधान एवं वृद्धि सांख्यिकी	102
IV.6	चीन और वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं पर उच्च आयात निर्भरता के साथ वस्तुएं	105
IV.7	विनिमय दर, प्रतिस्पर्धात्मकता और निर्यात मात्रा - एफएमओएलएस अनुमान	111
V.1	प्रमुख बैंकिंग संकेतकों पर कोविड-19 का प्रभाव	118

चार्ट की सूची

क्रम सं.		पृष्ठ संख्या
I.1	खपत और निवेश में उतार-चढ़ाव	4
I.2	रोजगार और मजदूरी	5
I.3	संस्थागत क्षेत्र द्वारा सकल पूंजी निर्माण	5
I.4	कोविड-19 से प्रभावित शीर्ष 15 देश	6
I.5	भारत में टीकाकरण कार्यक्रम	7
I.6	2020-21 में बहुराष्ट्रीय क्षेत्र-पार जीडीपी वृद्धि	7
I.7	जटिलता मापांक और 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि	8
I.8	सबसे तीव्र मंदी के कारक	9
I.9	आर्थिक गतिविधि सूचकांक	9
I.10	मांग और उत्पादन की बहाली	10
I.11	निजी खपत में वृद्धि	10
I.12	वर्तमान स्थिति सूचकांक (सीएसआई) और भावी प्रत्याशा सूचकांक (एफईआई)	11
I.13	महामारी के दौरान श्रम बाजार की स्थिति	11
I.14	महामारी के दौरान शहरी क्षेत्रों में गतिविधि की स्थिति	12
I.15	निवेश की मांग	12
I.16	विनिर्माण में क्षमता उपयोग	13
I.17	कारोबार निर्धारण सूचकांक और कारोबार प्रत्याशा सूचकांक	13
I.18	कोविड-19 महामारी के दौरान निगम का प्रदर्शन	16
I.19	महामारी का क्षेत्रवार प्रभाव	17
I.20	विनिर्माण जीवीए में क्षेत्रवार वृद्धि	17
I.21	संगठित और असंगठित सेवा क्षेत्र	18
I.22	जीडीपी में संरचनात्मक विराम	20
I.23	मध्यम अवधि का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद पथ	20
II.1	एक एसडी नीतिगत आघात के प्रति आवेग प्रतिक्रिया	26
II.2	नीतिगत आघात के प्रति जीडीपी वृद्धि की असममित प्रतिक्रियाएं	27
II.3	मुद्रास्फीति पर अधिशेष चलनिधि प्रभाव - अनुमानित सीमा प्रभाव	28

क्रम सं.		पृष्ठ संख्या
II.4	मुद्रास्फीति पर अधिशेष चलनिधि प्रभाव - अनुमानित समय-भिन्न प्रभाव	29
II.5	डबल्यूएसीआर में एक प्रतिशत अंक परिवर्तन के प्रति मुद्रास्फीति की असममित प्रतिक्रिया	29
II.6	राजकोषीय रुख के मौद्रिक निभाव का दायरा	30
II.7	सरकार को निवल आरबीआई क्रेडिट के माध्यम से राजकोषीय घाटे का वित्तपोषण	31
II.8	उधारी का भारित औसत लागत (केंद्र सरकार)	31
II.9	एनडीटीएल अनुपात में निवल एलएएफ में एक प्रतिशत अंक की वृद्धि के लिए टर्म प्रीमियम की प्रतिक्रिया	33
II.10	मुद्रास्फीति और भारत में आउटपुट अंतराल के बीच संबंध (1996-97: पहली तिमाही से 2019-20:चौथी तिमाही तक)	34
II.11	सामान्य सरकार की बकाया देयताएँ	35
II.12	सरकारी कर्ज पर ब्याज भुगतान	35
II.13	भारत का दशकीय ऋण अपघटन	36
III.1	वास्तविक जीवीए में क्षेत्रवार शेयर	44
III.2	रोजगार के लिए कृषि पर निर्भरता	44
III.3	उद्योग में पूंजी का संकेंद्रण	44
III.4	प्रति श्रमिक पूंजीगत स्टॉक	45
III.5	विनिर्माण जीवीए के घटक	45
III.6	कुल निर्यात का क्षेत्रवार अपघटन	46
III.7	शहरी जनसंख्या में त्वरित वृद्धि	46
III.8	कुल कारक उत्पादकता वृद्धि: वैश्विक रुझान	47
III.9	श्रम उत्पादकता वृद्धि: वैश्विक रुझान	47
III.10	भारत में जीडीपी वृद्धि का अपघटन	48
III.11	भारत में टीएफपी वृद्धि (व-द-व) के क्षेत्रवार चालक	48
III.12	नवोन्मेष और उत्पादकता के संकेतक – वैश्विक तुलना	49
III.13	कृषि उत्पादन और जीवीए में वृद्धि	53
III.14	विश्व कृषि में भारत की हिस्सेदारी और पण्य व्यापार	53

क्रम सं.		पृष्ठ संख्या
III.15	कृषि में जीसीएफ तथा अनुसंधान और विकास (आरएंडडी)	54
III.16	औसत टीएफपी वृद्धि और फसल उपज की बहुराष्ट्रीय स्तर पर तुलना	55
III.17	भारत में कृषि ऋण – आकार और संरचना	57
III.18	राज्य जीवीए की तुलना में कृषि ऋण का अनुपात	57
III.19	फसल गहनता और सिंचाई कवरेज पठारी प्रतीत होता है	58
III.20	सिंचाई के स्रोतों में विषम विकास	58
III.21	सकल सिंचित क्षेत्र में फसल-वार हिस्सा	58
III.22	कृषि में इनपुट सब्सिडी और सार्वजनिक सकल पूंजी निर्माण की प्रवृत्ति	59
III.23	आत्मनिर्भरता का क्रम	60
III.24	जीडीपी आकार बनाम खनन शेयर	60
III.25	कोयला, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन के सूचकांक	61
III.26	जीडीपी और विनिर्माण की वृद्धि दर	62
III.27	सेवाओं पर विनिर्माण का प्रभाव	62
III.28	बिजली की खपत: उद्योग बनाम अन्य	63
III.29	सेवाओं में वृद्धि	64
III.30	आवास बिक्री, लॉन्च और कीमत निर्धारण	65
III.31	प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक और इंफ्रास्ट्रक्चर सूचकांक	65
III.32	राजस्व अंतराल, संचारण हानियां, और पावर सब्सिडी	68
III.33	साक्षरता रुझान	69
III.34	सकल नामांकन अनुपात	70
III.35	स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर - भारत बनाम साथी देश	70
III.36	विलंबित परियोजनाएं	72
III.37	विलंबित परियोजनाओं की लागत में वृद्धि	72
III.38	श्रम बल भागीदारी दर 2019-20	73
III.39	उच्च स्व-रोजगार	74

क्रम सं.		पृष्ठ संख्या
III.40	नौकरी की गुणवत्ता - लिखित नौकरी अनुबंध की स्थिति	74
III.41	नौकरी प्रशिक्षण का निम्न स्तर	74
III.42	भारत की शिक्षा प्रोफ़ाइल	74
IV.1	वस्तुओं और सेवाओं का निवल निर्यात	91
IV.2	भारत के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों की प्रोफाइल	92
IV.3	वृद्धि और व्यापार प्रदर्शन - भारत बनाम विश्व	92
IV.4	प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का व्यापार प्रदर्शन - आय और प्रतिस्थापन प्रभाव	94
IV.5	प्रकट किए गए तुलनात्मक लाभ में क्षेत्र -वार परिवर्तन	94
IV.6	प्रकट तुलनात्मक लाभ सूचकांक – पण्य	95
IV.7	प्रकट तुलनात्मक लाभ सूचकांक – सेवाएँ	96
IV.8	भारत का सेवा निर्यात – विविधीकरण	96
IV.9	सेवा व्यापार खुलापन और निर्यात प्रदर्शन	97
IV.10	बाजार द्वारा निर्यात विविधीकरण - चीन और अमेरिका की तुलना में भारत	98
IV.11	फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज का अपेक्षित बाजार आकार	102
IV.12	निर्यात की आयात सामग्री (आईसीई) निर्यात तीव्रता और जीवीसी भागीदारी के मामले	103
IV.13	प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में पूंजीगत वस्तु आयातक के रूप में भारत सबसे निचले पायदान पर	103
IV.14	भारत के आयात का टैरिफ प्रोफाइल	104
IV.15	निवल पूंजीगत अंतर्वाह का उपयोग	108
IV.16	1990 के दशक से भारत में एफडीआई में नियामकीय ढील	109
IV.17	उच्च पूंजी आवश्यकता वाले निर्यात क्षेत्र	109
V.1	वित्तीय मध्यस्थता पर कोविड का प्रभाव	118
V.2	बड़े उधार खातों में दबाव	119
V.3	स्टॉक सूचकांकों में परिवर्तन	119
V.4	सार्वजनिक और अधिकार शेयरों के निर्गम के माध्यम से संसाधन जुटाना।	120
V.5	कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट	120

क्रम सं.		पृष्ठ संख्या
V.6	स्रोत – जीडीपी गैप का फ़्लो	122
V.7	बचत और जमा की प्रवृति	122
V.8	भारत में कॉरपोरेट लीवरेज	123
V.9	ऋण वृद्धि और बैंकिंग क्षेत्र का दबाव	123
V.10	एससीबी का निवेश और ऋण	125
V.11	क्षेत्रवार ऋण और खुदरा एनपीए	126
V.12	एनपीए रिकवरी के मार्ग	127
V.13	सरकार द्वारा पीएसबी में पूंजी अंतर्वाह	128
V.14	डिजिटल भारत की ओर अग्रसर	131
V.15	हरित वित्त पर गूगल सर्च	133
VI.1	मध्यावधिक संवृद्धि परिदृश्य	138